

51 وَفِيمَا هُوَ يُبَارِكُهُمْ، انْفَرَدَ عَنْهُمْ وَأَصْعَدَ إِلَى السَّمَاءِ.

وأصعد الى السماء

لوقا 51:24

هنا نجد أن المخطوطات

ⲛ and geo¹ join D and it^{a,b,d,e,ff2,j,l} *

تدعم القراءة الأقصر (المخطوطه السيريانيه السينائيه تكثف

العدد 51 عن طريق حذف كذا و كذا , و تقرأ كذا و كذا " و

بينما باركهم , رفع الى أعلى من بينهم " , و بالتالى فالبرغم

من كونها أقصر , ما زالت المخطوطة syr^s تشير الى صعود

المسيح) .

هناك أقلية من اعضاء اللجنة فضلت القراءة الأقصر , و

اعتبرت القراءة الأطول ك "عدم زياده غريبه" .

بالرغم من ذلك فضل غالبية أعضاء اللجنة القراءه الطويله

لأسباب التاليه

1- أن إيقاع العبارة يبدو أنه يتطلب وجود هذه الجملة (قارن

بين الجمل المتناسقه التي يربط بينها حرف العطف الواو في

العدد 50 و الأعداد 52-53) .

2- افتتاحية لوقا التي بدأ بها سفر الأعمال " الكلام الاول انشأته يا ثاوفيلس عن جميع ما ابتدأ يسوع

يفعله ويعلم به 2 الى اليوم الذي ارتفع فيه " , يشير فيه الى أنه قد أشار الى صعود المسيح قبل ذلك و

ان كان باختصار .

لو كانت القراءه الأقصر هي الأصلية , فإنه من الصعب علينا

أن نفسر وجود

καὶ ἀνεφέρετο εἰς τὸν οὐρανόν

في العديد من الشواهد المتنوعه , بدءا من البرديه ^{P75}

لو كانت هذه العبارة اضافه من الكاتب , دفعه اليها ما لاحظته من نتائج في سفر

الأعمال الاصحاح الأول 1-2 (انظر النقطة رقم 2 بالأعلى) , لكان من المتوقع أن

يستخدم أحد مشتقات الفعل ἀναλαμβάνειν الذي استخدم في سفر الأعمال 1-

2 و فى فقرات أخرى أشارت الى الصعود , بدلا من الفعل الآخر " كذا " غير

المناسب , و الذى يرد بصوره معتاده فى العهد الجديد بمعنى " يقدم "

و فى النهايه 5- : ان حذف هذه العبارة فى بعض الشواهد

القليله يمكن تفسيره بأنه :

أ- نتيجة خطأ نسخى معتاد بسبب تشابه بعض الكلمات أو

ب- أنه حذف متعمد اما

* لإزالة التناقض الظاهرى ما بين هذا التعليق (الذى يبدو أنه

يذكر أن الصعود فى آواخر ليلة عيد الفصح) و ما ورد فى سفر

الأعمال الاصحاح الأول 3-11 (الذى يؤرخ لصعود المسيح

بأربعين يوما بعد عيد الفصح) , أو

* من أجل ادخال تميز لاهوتى غير ملحوظ ما بين الإنجيل و

سفر الأعمال .

(بمعنى , أن المنقح الغربى بما أنه لم يوافق على ذكر لوقا للصعود مرتين , المره الأولى لإجمال

كرازة يسوع الأرضيه , و مرة أخرى فى سفر الأعمال , لتأريخ افتتاح زمن و عمر الكنيسه , فقد فضل

أن يجعل كل الشواهد الذكصولوجيه عن يسوع فى موضع بعد وقت صعوده الذى ورد ذكره فى سفر

الأعمال , و بالتالى فقد حذف عبارته موضع التساؤل و ايضا حذف الكلمات " كذا و كذا" من العدد 52 ,

لأنه بعد حذف ما يدل على صعود يسوع , فإن ذكر ما يدل على السجود له يبدو غير مناسب

وللرد

التراجم المختلفه

العربي

فانديك

51 وَفِيمَا هُوَ يُبَارِكُهُمْ انْفَرَدَ عَنْهُمْ وَأَصْعَدَ إِلَى السَّمَاءِ.

الحياه

51 وبينما كان يباركهم، انفصل عنهم وأصعد إلى السماء

الساره

51 وبينما هو يباركهم، انفصل عنهم ورفع إلى السماء،

اليسوعيه

51 وبينما هو يباركهم انفصل عنهم ورفع إلى السماء.

المشتركة

لو-24:51 وبينما هو يُبارِكُهُمْ، انْفَصَلَ عَنْهُمْ وَرَفَعَ إِلَى السَّمَاءِ،

البولسيه

لو-24:51 وفيما هو يُبارِكُهُمْ انْتَحَى عَنْهُمْ، وَصَعِدَ إِلَى السَّمَاءِ.

الكاثوليكية

لو-24:51 وبينما هو يُبارِكُهُمْ انْفَصَلَ عَنْهُمْ وَرَفَعَ إِلَى السَّمَاءِ.

وكلهم بهم العدد كامل

الانجليزية

Luk 24:51

(ASV) And it came to pass, while he blessed them, he parted from them, and was carried up into heaven.

(BBE) And while he was doing so, he went from them and was taken up into heaven.

(Bishops) And it came to passe, as he blessed them, he departed from them, and was caryed vp into heauen.

(CEV) As he was doing this, he left and was taken up to heaven.

(Darby) And it came to pass as he was blessing them, he was separated from them and was carried up into heaven.

(DRB) And it came to pass, whilst he blessed them, he departed from them and was carried up to heaven.

(EMTV) And it happened, while He blessed them, that He was parted from them and was carried up into heaven.

(ESV) While he blessed them, he parted from them and was carried up into heaven.

(FDB) Et il arriva qu'en les bénissant, il fut séparé d'eux, et fut élevé dans le ciel.

(FLS) Pendant qu'il les bénissait, il se sépara d'eux, et fut enlevé au ciel.

(Geneva) And it came to passe, that as he blessed them, he departed from them, and was caried vp into heauen.

(GLB) Und es geschah, da er sie segnete, schied er von ihnen und fuhr auf gen Himmel.

(GNB) As he was blessing them, he departed from them and was taken up into heaven.

(GSB) Und es begab sich, indem er sie segnete, schied er von ihnen und wurde aufgehoben gen Himmel.

(GW) While he was blessing them, he left them and was taken to heaven.

(ISV) While he was blessing them, he parted from them and was taken up to heaven.

(KJV) And it came to pass, while he blessed them, he was parted from them, and carried up into heaven.

(LITV) And it happened as He blessed them, He withdrew from them and was carried into Heaven.

(MKJV) And it happened as He blessed them, He withdrew from them and was carried up into Heaven.

(Murdoch) And it occurred, while he blessed them, that he was separated from them, and ascended to heaven.

(RV) And it came to pass, while he blessed them, he parted from them, and was carried up into heaven.

(Webster) And it came to pass, while he was blessing them, he was parted from them, and carried up into heaven.

(WNT) And while He was blessing them, He parted from them and was carried up into Heaven.

(YLT) and it came to pass, in his blessing them, he was parted from them, and was borne up to the heaven;

(HNT) ויהי בברכו אתם ויפרד מעליהם וינשא השמימה:

وكلهم بهم العدد كامل

اليوناني

(GNT) καὶ ἐγένετο ἐν τῷ εὐλογεῖν αὐτὸν αὐτοὺς διέστη ἀπ’ αὐτῶν καὶ ἀνεφέρετο εἰς τὸν οὐρανόν.

KATA ΛΟΥΚΑΝ 24:51 Greek NT: Greek Orthodox Church

καὶ ἐγένετο ἐν τῷ εὐλογεῖν αὐτὸν αὐτοὺς διέστη ἀπ’ αὐτῶν καὶ ἀνεφέρετο εἰς τὸν οὐρανόν.

KATA ΛΟΥΚΑΝ 24:51 Greek NT: Tischendorf 8th Ed.

και εγενετο εν τω ευλογειν αυτον αυτους διεστη απ αυτων
kai egeneto en tō eulogein auton autous diestē ap autōn

KATA ΛΟΥΚΑΝ 24:51 Greek NT: Byzantine/Majority Text (2000)

και εγενετο εν τω ευλογειν αυτον αυτους διεστη απ αυτων και ανεφερετο εις τον ουρανον

kai egeneto en tō eulogēin auton autous diestē ap autōn kai anephereto eis ton ouranon

KATA ΛΟΥΚΑΝ 24:51 Greek NT: Textus Receptus (1550)

.....
και εγενετο εν τω ευλογειν αυτον αυτους διεστη απ αυτων και ανεφερετο εις τον ουρανον

kai egeneto en tō eulogēin auton autous diestē ap autōn kai anephereto eis ton ouranon

.....
KATA ΛΟΥΚΑΝ 24:51 Greek NT: Textus Receptus (1894)

.....
και εγενετο εν τω ευλογειν αυτον αυτους διεστη απ αυτων και ανεφερετο εις τον ουρανον

kai egeneto en tO eulogēin auton autous diestE ap autOn kai anephereto eis ton ouranon

.....
KATA ΛΟΥΚΑΝ 24:51 Greek NT: Westcott/Hort

.....
και εγενετο εν τω ευλογειν αυτον αυτους διεστη απ αυτων [[και ανεφερετο εις τον ουρανον]]

kai egeneto en tō eulogēin auton autous diestē ap autōn [[kai anephereto eis ton ouranon]]

وكلهم بهم العدد كامل اي ان كل النسخ التقليديه وايضا النقيه فيما عدا نسخة تشيندور النقيه

ونسخة وست كوت وضعت بين اقواس

المخطوطات التي تشهد علي اصالة العدد

اولا

P75

ΚΑΙ ΕΤΕΝΕΤΟ ΕΝ ΤΩ ΕΥΛΟΓΕΙΝ ΑΥΤΟΝ ΑΥΤΟΝ
ΔΙΕΣΤΗΛΑΥΤΩΝ ΚΑΙ ΝΕΦΕΡΕΤΟ ΕΙΣ ΤΟΝ
ΟΥΡΑΝΟΝ ΚΑΙ ΑΥΤΟΙΤΤΡΟΣΚΥΝΗΘΑΝΤΕΣ ΑΥ
ΤΟΝ ΥΠΕΡΕΡΕΙΝΕΙΝ ΙΝΑ ΑΛΕΞΑΝΔΡΑ
ΜΕΓΑΛΗ ΚΑΙ ΗΣΑΝ ΔΕ ΤΩΝ ΤΕΝΕΤΩ
ΤΕΡΩ ΕΥΛΟΓΟΥΝ ΤΟ ΤΟΝ ΘΕΟΝ.

ΕΥΛΟΓΕΙΟΝ

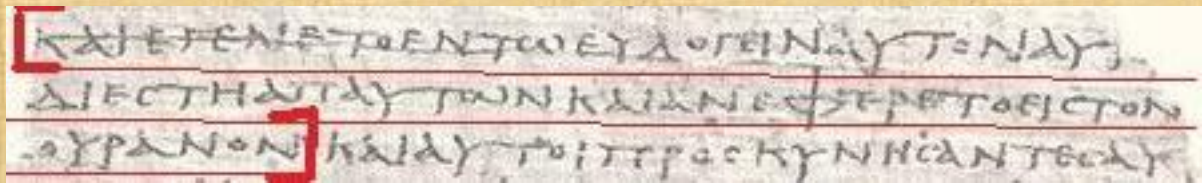
ΚΑΙ
ΧΟΥ ΚΑΝ

ΕΥΛΟΓΕΙΟΝ

ΤΑΙΩ ΔΗΝΗ

ΕΝ ΔΡΧΗ Η ΝΟΛΟΓΟΣ ΚΑΙ ΟΛΟΓΟΗΝ ΠΡΟΣ ΤΟΝ
ΘΝ ΚΑΙ ΕΤΗ ΝΟΛΟΓΟΣ ΟΥΤΟΣ Η ΝΕΝΑΡΧΗ ΠΡΟΣ
ΤΟΝ ΘΝ ΠΑΝΤΑ ΑΥΤΟΥ ΕΤΕΝΕΤΟ ΚΑΙ ΧΑΡΙΣ
ΑΥΤΟΥ ΕΤΕΝΕΤΟ ΟΥΔΕ ΕΝΘΕ ΤΟΝ ΕΝΕΝΑΥΤΩ
ΖΩΗΝ ΚΑΙ Η ΖΩΗ ΗΝΤΟ ΦΩΣ ΤΩΝ ΑΝΩΝ
ΚΑΙ ΤΟ ΦΩΣ ΕΝ ΤΗ ΣΚΟΤΕΡΑ ΦΩΝΕΙ ΚΑΙ Η ΣΚΟ
ΤΕΡΑ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΤΕΛΕΣΕΝ ΕΤΕΝΕΤΟ ΤΑΝΘΡΩ
ΠΤΟΣ ΔΙΕΣΤΑΛΛΕΝΟΣ ΤΑΡΑΘΥΟΝΟΜΑ ΑΥΤΩ
ΙΩΑΝΝΗΣ ΟΥΤΟΣ ΗΛΘΕ ΝΕΙΛΑΡΤΥΡΙΟΝ ΙΝΑ
ΜΑΡΤΥΡΗΣΗ ΤΙΤΕΡΙΤΟΥ ΦΩΤΟΣ ΙΝΑ ΤΑΝ
ΤΕΣΤΙΟ ΤΕΥΧΩΣ ΙΝΑ ΑΥΤΟΥ ΟΥΚ ΗΝΕΚΕ
ΝΟΣ ΤΑ ΦΩΣ ΑΛΛΗΝ ΜΑΡΤΥΡΗΣΗ ΤΙΤΕΡΙΤΟΥ
ΦΩΤΟΣ ΗΝΤΟ ΦΩΣ ΤΑΛΗΘΙΝΟΝ Ο ΦΩΤΕ
ΖΕΙΤΑΝ ΤΑ ΑΝΘΩΝ ΕΡΧΟΜΕΝΟΝ ΕΙΣ ΤΟΝ ΚΟ
ΣΜΟΝ ΕΝ ΤΩ ΚΟΛΩΗΝ ΚΑΙ ΚΟΣΜΟΝ ΑΙ
ΑΥΤΟΥ ΕΤΕΝΕΤΟ ΚΑΙ ΚΟΣΜΟΝ ΑΥΤΟΝ ΟΥΚ
ΕΙΤΝΩ ΕΙΣ ΤΑΙΩ ΗΛΘΕΝ ΚΑΙ ΙΩΑΝΝΗΣ
ΤΟΝ ΟΥΤΑΡΕΛΑΒΕΝ ΝΟΣΟΙ ΔΕ ΕΛΑΒΟΝ ΑΥΤΟΝ
ΕΔΩΚΕΝ ΑΥΤΟΙΣ ΕΞΟΥΣΙΑΝ ΤΕ ΚΝΑΟΥΤΕ
ΝΕΣΘΑΙ ΤΟΙΣΤΙΟ ΤΟΥ ΟΥΚ ΗΝΤΟΝ ΟΥΔΕ ΑΥΤΟ
ΤΟΥ ΟΥΚ ΗΝΤΟΝ ΟΥΔΕ ΑΥΤΟΝ ΟΥΔΕ ΑΥΤΟΝ
ΤΟΣ ΔΡΗΤΟΣ ΟΥΔΕ ΑΥΤΟΝ ΟΥΔΕ ΑΥΤΟΝ ΟΥΔΕ ΑΥΤΟΝ
ΑΛΛΕΚΟΥ ΕΙΣ ΤΗ ΘΗΚΑΝ ΚΑΙ ΑΓΟΣΟΣ Ε
ΤΕΝΕΤΟ ΚΑΙ ΕΤΕΝΕΤΟ ΕΝΕΝΕΝ ΗΛΩΝ ΚΑΙ ΟΥ
ΑΟΛΕΤΕΡΑ ΤΗΝ ΔΟΞΑΝ ΑΥΤΟΥ ΔΟΞΑΝ ΟΥΔΕ
ΝΑΓΕΝΟΥΤΑΡΑ ΤΑ ΤΡΟΣΤΗΡΙΑ ΧΑΡΙΤΟΣ ΚΑΙ
ΑΛΛΕΚΟΥ ΕΙΣ ΤΑΝ ΜΟΛΛΑΥΤΥΡΕΙΤΕΡΑΥΤΟ
ΚΑΙ ΚΕΙΡΑ ΤΑ ΔΕ ΤΩΝ ΟΥΤΟΣ ΗΝΤΟΝ ΕΙΣ ΤΟΝ
ΟΤΙ ΙΩΑΝΝΗΣ ΕΡΧΟΜΕΝΟΣ ΑΥΤΟΝ ΟΥΔΕ ΑΥΤΟΝ
ΕΤΕΝΕΤΟ ΕΤΕΝΕΤΟ ΤΟ ΜΟΥ ΗΝΤΟΝ ΟΥΚ ΗΝΤΟΝ

وبتكبير العدد



ونصه

51 και εγενετο εν τω ευλογειν αυτον αυτου[ς] διεστη απ αυτων και ανεφερετο εις τον ουρανον•

وهو كامل بها

الفاتيكانية

187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

187 ΤΑΣ ΓΡΑΦΑΣ ΚΑΙ ΑΝΑ
188 ΣΤΑΝΤΕΣ ΑΥΤΗ ΤΗ ΦΡΑ
189 ΨΕΣΤΡΕΨΑΝΕΙΣ ΕΡΟΥ
190 ΣΑΛΗΜ ΚΑΙ ΕΥΡΟΝΗΟΡ
191 ΜΕΝΟΥΣ ΤΟΥΣ ΕΝΔΕΚΑ
192 ΚΑΙ ΤΟΥΣ ΣΥΝΑΥΤΟΙΣ Α
193 ΓΟΝΤΑΣ ΟΤΙ ΟΝΤΩΣ ΗΓΓ
194 ΟΝΟΚΣ ΚΑΙ ΩΦΘΗΣΙΜΩ
195 ΝΙΚΑΙ ΑΥΤΟΙΣ ΕΞΗΓΟΥΝΤ
196 ΤΑ ΕΝ ΤΗ ΟΔΩ ΚΑΙ ΩΣ ΕΡ
197 ΣΟΝ ΑΥΤΟΙΣ ΕΝ ΤΗ ΚΑΛ
198 ΣΕΙΤΟΥ ΑΡΤΟΥ ΤΑΥΤΑ
199 ΔΕ ΑΥΤΩΝ ΑΛΛΟΥΝΤΩ
200 ΑΥΤΟΣ ΕΣΤΗΝ ΕΝ ΜΕΣΩ
201 ΤΩΝ ΚΑΙ ΛΕΓΕΙ ΑΥΤΟΙΣ
202 ΕΙ
203 ΡΗΝ ΗΨΥΜΙΝ ΟΡΟΝΘΕΝΤ
204 ΔΕ ΚΑΙ ΕΝΦΩΚΟΙ ΓΕΝΟ
205 ΝΟΙ ΕΛΟΚΟΥΝ ΠΝΕΥΜΑ
206 ΟΣΩΡΕΙΝ ΚΑΙ ΕΠΕΝΑΥΝ
207 ΤΙΤΕΤΑΡΓΜΕΝΟΙ ΕΣΤΕ
208 ΚΑΙ ΤΙ ΔΙΔΑΟΙΣΜΟΙΑΝ
209 ΒΑΙΝΟΥΣΙ ΕΝ ΤΗ ΚΑΡΔ
210 ΑΥΜΩΝ ΙΑ ΕΤΕΤΑΣΧΕΙ
211 ΡΑΣΜΟΥ ΚΑΙ ΤΟΥΣ ΠΟΛ
212 ΜΟΥ ΟΤΙ ΕΓΩ ΕΙΜΙ ΑΥΤ
213 ΨΗΛΑ ΦΗΣΑΤΕ ΜΕΚΑΙ
214 ΔΕ ΤΕ ΟΤΙ ΠΝΕΥΜΑ ΚΑΙ
215 ΣΑΡΚΑ ΚΑΙ ΟΣΤΕΛΟΥΚΕ
216 ΧΕΙΛΩΣ ΕΜΕ ΟΣΩΡΕΙ
217 ΤΕ ΕΧΟΝΤΑ ΚΑΙ ΤΟΥΤ
218 ΕΙΠΩΝ ΕΔΕΙΞΕΝ ΑΥΤΟΙ
219 ΤΑΣ ΧΕΙΡΑΣ ΚΑΙ ΤΟΥΣ Π
220 ΛΑΣ ΕΤΙ ΔΕ ΑΠΙΣΤΟΥΝΤ
221 ΑΥΤΩΝ ΑΠΟ ΤΗΣ ΧΑΡΕ
222 ΚΑΙ Ο ΑΥΜΑΧΟΝΤΩΝ ΕΙ
223 ΑΥΤΟΙΣ ΕΧΕΤΕ ΤΙ ΡΩ
224 ΜΟΝ ΕΝ ΟΔΩ ΟΙΔΕ ΕΠ
225 ΛΩΚΑΝ ΑΥΤΩ ΙΧΘΥΟΣ
226 ΟΠΤΟΥ ΜΕΡΟΣ ΚΑΙ ΑΛ
227 ΕΝΩΠΙΟΝ ΑΥΤΩΝ ΕΦΑ
228 ΓΕΝ ΕΙΠΕΝ ΔΕ ΠΡΟΣ ΑΥ
229 ΤΟΥΣ ΟΥΤΟΙΣ ΟΙ ΛΟΓΟΙ Μ

ΟΥΣ ΕΛΛΗΝΙΣΤΑΙ ΠΡΟΣΥΜ
ΕΤΙΩΝ ΣΥΝΨΥΜΙΝΟΤΙΑ
ΠΑΝΗΡΩΝ ΗΝ ΑΙ ΠΑΝΤΑ
ΤΑ ΕΓΓΡΑΜΜΕΝΑ ΕΝ ΤΩ
ΝΟΜΩ ΜΟΥ ΕΣΩΣΚΑΝ
ΠΡΟΦΗΤΑΙΣ ΚΑΙ ΨΑΛ
ΠΕΡΙΕΜΟΥ ΤΟΤΕ ΑΙΝΗ
ΣΕΝ ΑΥΤΩΝ ΤΟΝ ΜΟΥΝ
ΤΟΥΣ ΨΥΜΕΝΑΙ ΤΑΣ ΓΡ
ΦΑΣ ΚΑΙ ΕΠΕΝΑΥΤΟΙ
ΟΤΙ ΟΥΤΩΣ ΕΓΓΡΑΠΤΑΙ
ΠΑΘΕΙΝ ΤΟΝ ΨΗΚΑΙ ΑΝ
ΕΤΙ ΗΝ ΙΕΚΝΕΚΡΩΝΤ
ΤΡΙΤΗΝ ΜΕΡΑ ΚΑΙ ΚΗΡ
ΧΟΝΝΑΙ ΕΠΙ ΤΩ ΟΝΟΜΑ
ΤΙ ΑΥΤΟΥ ΜΕΤΑΝΟΙΑΝ
ΕΙΣ ΑΦΕΣΙΝ ΑΜΑΡΤΙΩΝ
ΕΙΣ ΠΑΝΤΑ ΤΑ ΕΟΝΗΑΡ
ΣΑ ΜΕΝΟΙΑ ΠΟΙΕΡΟΥΣ
ΑΝΗΨΥΜΕΙΣ ΜΑΡΤΥΡΕ
ΤΟΥΤΩΝ ΚΑΙ ΛΟΥΕΘ
ΕΞ ΑΠΟΣΤΕΛΑΩ ΤΗΝ
ΠΑΓΕΛΕΙΧΑΝ ΤΟΥ ΠΑΤ
ΜΟΥ ΕΦΨΥΜΑΣΨΥΜΕΙΣ
ΚΑΘΙΣΑΤΕ ΕΝ ΤΗ ΠΟΛΕΙ
ΕΩΣ ΟΥ ΕΝΑΥΣΗΘΕ ΕΞ
ΤΟΥ ΣΑΥΝΑΜΙΝ ΕΞΗΓ
ΓΕΝΑ ΕΑΥΤΟΥΣ ΕΩΣ Π
ΒΗΘΑΝΙΑΝ ΚΑΙ ΕΠΑΡΣ
ΤΑΣ ΧΕΙΡΑΣ ΑΥΤΟΥ ΕΥ
ΓΙΣ ΕΝ ΑΥΤΟΥΣ ΚΑΙ Ε
ΝΕΤΟ ΕΝ ΤΩ ΕΥΛΟΓΕΙΝ
ΑΥΤΟΝ ΑΥΤΟΥΣ ΑΙ ΕΣΤΗ
ΑΠ ΑΥΤΩΝ ΚΑΙ ΑΝΕΦΕ
ΡΕΤΟ ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΥΡΑΝΟΝ
ΑΥΤΟΙ ΠΡΟΣΚΥΝΗΣΑΝ
ΤΕΣ ΑΥΤΟΝ ΨΕΣΤΡΕΨ
ΕΙΣ ΕΡΟΥΣ ΑΛΗΜΜΕΤΑ
ΧΑΡΑΣ ΚΑΙ ΗΣΑΝ ΑΙ ΠΑ
ΕΝ ΤΩ ΕΡΩ ΕΥΛΟΓΟΥΝ
ΤΕ ΕΣΤΟΝ ΘΑΜΗΝ

187 ΕΝΑΡΧΗΝ ΗΝ Ο ΛΟΓΟΣ ΚΑΙ
188 Ο ΛΟΓΟΣ ΗΝ ΠΡΟΣ ΤΟΝ Θ
189 ΚΑΙ Ο ΕΝ ΗΝ Ο ΛΟΓΟΣ ΟΥΤ
190 ΗΝ ΕΝΑΡΧΗ ΠΡΟΣ ΤΟΝ Θ
191 ΠΑΝΤΑ ΔΙΔΑΥΤΟΥ ΕΓΕ
192 ΤΟ ΚΑΙ ΧΩΡΙΣ ΑΥΤΟΥ ΕΓ
193 ΝΕΤΟ ΟΥΔΕ ΕΝΟΓΕΓΟΝ
194 ΕΝ ΑΥΤΩ ΖΩΗ ΗΝ ΚΑΙ Η
195 ΖΩΗ ΗΝ ΤΟ ΦΩΣ ΚΑΙ Η
196 ΦΩΣ ΕΝ ΤΗΣ ΚΟΤΙΑ ΦΑ
197 ΝΕΙΚΑΙ ΗΝ ΚΟΤΙΑ ΑΥΤ
198 ΟΥΚ ΑΤΕΛΑ ΕΝ ΕΓΕ
199 ΤΟ ΑΝΘΡΩΠΩΣ ΑΠΕΣΤΑ
200 ΜΕΝΟΣ ΠΑΡΑ ΘΥΟΝΟΜΑ
201 ΑΥΤΩ ΦΑΝΗΣ ΟΥΤΟΣ
202 ΗΛΘΕΝ ΕΙΣ ΜΑΡΤΥΡΙΑΝ
203 ΗΝ ΑΜΑΡΤΥΡΗΣΗ ΠΕΡΙ
204 ΦΩΤΟΣ ΙΝΑ ΠΑΝΤΕΣ Π
205 ΣΤΕΥΣΩΣΙΝ ΑΙ ΑΥΤΟΥ
206 ΟΥΚ ΗΝ ΕΚΕΙΝΟΣ ΤΟ Φ
207 ΑΛΛΑ ΗΝ ΑΜΑΡΤΥΡΗΣΗ
208 ΡΙΤΟΥ ΦΩΤΟΣ ΗΝ ΤΟ
209 ΤΟΛΗΘΕΙΝ ΟΝΟΦΩΤΙ
210 ΖΕΙ ΠΑΝΤΑ ΑΝΘΡΩΠΩΝ
211 ΕΡΧΟΜΕΝΟΝ ΕΙΣ ΤΟΝ Κ
212 ΜΟΝ ΕΝ ΤΩ ΚΟΣΜΩ ΗΝ
213 ΚΑΙ Ο ΚΟΣΜΟΣ ΑΙ ΑΥΤΟΥ
214 ΕΓΕΝΕΤΟ ΚΑΙ Ο ΚΟΣΜΟΣ
215 ΑΥΤΟΝ ΟΥΚ ΕΓΝΩΕΙΣ
216 ΤΑ ΙΔΙΑ ΗΘΕΝ ΚΑΙ ΟΙ
217 ΟΙ ΑΥΤΟΝ ΟΥ ΠΑΡΕΛΑ
218 ΟΣΟΙ ΔΕ ΕΛΑΒΑΝ ΑΥΤΟΝ
219 ΕΛΘΕΝ ΑΥΤΟΙΣ ΕΣΟΥ
220 ΣΙΑΝ ΤΕ ΚΝΑΘΥΓΕΝΕΣ ΟΙ
221 ΤΟΙΣ ΠΙΣΤΕΥΟΥΣΙΝ ΕΙΣ
222 ΤΟ ΟΝΟΜΑ ΑΥΤΟΥ ΟΙΟΥ
223 ΚΕΣΑΙΜΑΤΩΝ ΟΥΔΕΚ
224 ΘΕΛΗΜΑΤΟΣ ΣΑΡΚΟΣ
225 ΑΛΛΕΚΘΥΣ ΕΓΕΝΗΘΗ
226 ΚΑΙ Ο ΛΟΓΟΣ ΑΡΣΕΓΕ
227 ΤΟ ΚΑΙ ΕΣΚΗΝΩΣΕΝ
228 ΜΗΝ ΚΑΙ ΕΘΕΛΑ ΣΑΜΕΘΑ

ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ

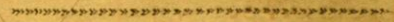
Luc. XXIV, 32-53. Joh. I, 1-14.

51 ΓΗΣ ΕΝ ΑΥΤΟΥΣ ΚΑΙ ΕΓΕ
ΝΕΤΟ ΕΝ ΤΩ ΕΥΛΟΓΕΙΝ
ΑΥΤΟΝ ΑΥΤΟΥΣ ΔΙΕΣΤΗ
ΑΠ ΑΥΤΩΝ ΚΑΙ ΑΝΕΦΕ
52 ΡΕΤΟ ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΥΡΑΝΟΝ Κ

ΗΝΟΙΓΕΝΗΜΙΝΤΑΙΤΑΙΡΑΦΑΙ
 ΚΑΙ ΑΝΑΣΤΑΝΤΕΣ ΑΥΤΗΤΗΚΩΡΑ
 ΥΠΕΣΤΕΡΕΨΑΝΕΙΣΙΝΗΜΕΚΑΙ ΕΥ
 ΡΟΝΕΥΝΗΘΡΟΙΣ ΜΕΝΟΥΣ ΤΟΥΣ
 ΕΝΔΕΚΑΚΑΙ ΤΟΥΣ ΟΥΝ ΑΥΤΟΙΣ
 ΛΕΓΟΝΤΑΙ ΟΤΙ ΗΓΕΡΟΝ ΟΚΕΩ
 ΤΩΣ ΚΑΙ ΩΦΟΝΕΙ ΜΩΝΗ ΚΑΙ
 ΑΥΤΟΙΣ ΕΠΙΘΥΝΤΟ ΤΑ ΕΝ ΤΗ ΘΑΛΑ
 ΚΑΙ ΩΣ ΕΓΗΘΩΟ Η ΑΥΤΟΙΣ ΕΝ
 ΤΗ ΚΑΛΑΣΕΙ ΤΟΥ ΑΡΤΟΥ
 ΑΥΤΟΙΣ ΕΙΣΕΤΗ ΜΕ ΜΕΘΩΑΥ
 ΤΩΝ ΚΑΙ ΕΓΕΙΛΥΤΟΙΣ ΕΙΡΗΝΗ
 ΥΜΙΝ ΤΙΤΟΝ ΘΕΝΤΕΣ ΔΕ ΚΑΙ
 ΕΜΦΟΚΟΙ ΓΕΝΟΜΕΝΟΙ ΕΛΟ
 ΚΟΥΝΤΗΝ ΧΟΕΩΡΕΙΝ ΚΑΙ ΟΠΩ
 ΑΥΤΟΙΣ ΤΙΤΕΤΑΡΑΓ ΜΕΝΟΙ Ε
 ΣΤΑΓΚΑΙ ΧΑΙΤΑΙ ΑΛΛΟΙΣ ΕΜΟΙ
 ΑΝΑΚΑΙΝΟΥΣ ΕΙΝΕΝΤΑΙ ΕΚΑ
 ΛΙΧΙΟΥ ΜΩΝ ΕΙΔΕΤΕΤΑΧΕΙ
 ΡΑΣ ΜΟΥ ΚΑΙ ΤΟΥΣ ΠΟΛΛΟΥΣ
 ΟΤΙ ΑΥΤΟΙΣ ΕΓΩ ΕΙΜΙ ΤΗΝ ΑΛΛΟ
 ΕΣΤΕ ΜΕ ΚΑΙ ΑΣΤΕΟΤΗΤΗΝ
 ΕΑΡΙΑ ΚΑΙ ΟΣΤΕΛΟΥ ΚΕΧΕΙ
 ΚΑΘΩΣ ΕΜΕΘΕΩΡΕΙΤΕ ΕΧΟΝΤΑ
 ΚΑΡΤΟΥΣ ΕΠΙ ΤΩΝ ΕΠΕΛΕΙΣ
 ΑΥΤΟΙΣ ΕΤΑΧΕΙΡΑΣ ΚΑΙ ΤΟΥΣ
 ΠΟΛΛΟΥΣ ΕΤΙ ΔΕ ΧΗΡΟΤΟΥ
 ΤΩΝ ΑΥΤΩ ΚΑΙ ΟΥ ΜΑΧΟΝΤΩ
 ΧΙ ΟΤΙ Η ΕΧΧΡΑΣ ΕΠΙΕΝ ΑΥΤΟΙΣ
 ΕΧΕΤΕ ΤΗΡΩΣ ΕΙΜΟΝΕΝ ΟΛΛΕ
 ΟΙ ΔΕ ΕΠΙΘΑΛΑΜΟΙ ΚΑΙ ΑΥΤΟΙΣ
 ΟΤΙ ΤΟΥ ΜΕΡΟΣ ΚΑΙ ΑΛΛΩΝ
 ΕΝΩΤΗ ΠΟΝΤΙΑΝΤΩΝ ΕΦΑΓΕ
 ΠΙΕΝ ΔΕ ΑΥΤΟΙΣ ΟΥΤΟΙΟΙ ΛΟΓΟΙ
 ΜΟΥ ΟΥΣ ΕΛΑΧΙΣΤΟΙΣ ΜΕ
 ΕΤΙΩΝΣΥΝ ΥΜΙΝ ΟΤΙ ΔΕΙ
 ΤΙ ΑΝΡΩΟΝ ΑΓΓΑΝΤΑΤΑΓΕ
 ΓΡΑΜΜΕΝ ΧΕΝΤΩΝ ΟΜΩ
 ΜΩΣ ΕΩΣ ΚΑΙ ΤΗΡΟΦΗΤΑΙ
 ΚΑΙ ΑΛΛΟΙΣ ΕΠΕΡΕ ΜΟΥ
 ΟΤΕ ΑΙ ΗΝΟΙΣ ΕΝ ΑΥΤΩΝ ΤΟ
 ΝΟΥΝΤΟΥΣΥΝ ΕΝΑΙΤΑΙΡΑ
 ΦΑΣ ΚΑΙ ΕΠΙΕΝ ΑΥΤΟΙΣ ΟΤΙ
 ΟΥΤΩΣ ΕΓΓΡΑΓΓΑΝ ΚΑΙ ΟΥ
 ΤΩΣ ΕΛΕΓΓΑΘΕΝ ΤΟΝ ΧΗ
 ΚΑΙ ΑΝΑΣΤΗΝΑΙ ΕΚ ΝΕΚΡΩ
 ΤΗΤΕΡΤΗΝ ΜΕΤΑΚΑΘΕΝΤΥ
 ΧΟΝ ΗΛΙΕΤΙΤΤΩΝ ΟΜΑΤΙ ΑΥ
 ΤΟΥ ΜΕΤΑΝΟΙΑΝ ΚΑΙ ΑΦΕ
 ΕΙΝΑ ΜΑΡΤΙΩΝ ΕΙΣ ΤΑΝΤΑ

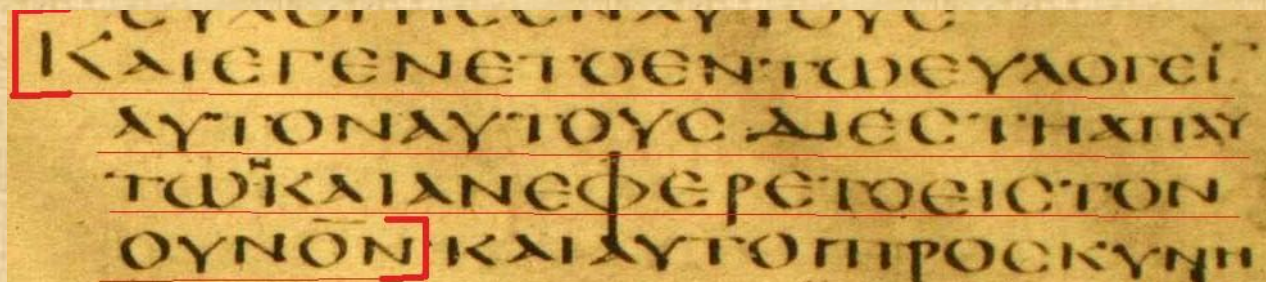
ΤΑ ΟΝΗ ΑΡΞΑΜΕΝ ΟΝΑΤΙ ΤΟ
 ΙΑΝΗΜ ΥΜΕΙΣ ΔΕ ΕΣΤΑΙ ΜΑΡΤΥ
 ΡΕΣ ΤΟΥΤΩΝ ΚΑΙ ΑΛΟΥΕΡΩ
 ΑΠΟΣΤΕΛΛΑΤΗΝ ΕΠΑΓΓΕΛΙΑ
 ΤΟΥΤΗΡΕ ΜΟΥ ΕΦΥΜΑΣ ΥΜΕΙΣ
 ΔΕ ΚΑΘΕΙΣΤΕ ΕΝ ΤΗ ΠΟΛΕΙ
 ΕΩΣ ΟΥ ΕΝ ΑΥΣΙΝ ΟΟΛΑΥΝΑ
 ΜΙΝ ΕΞΥΤΟΥΣ ΕΞΗΓΑΓΕΝ ΔΕ
 ΑΥΤΟΥΣ ΕΣΩΣΕ ΟΣ ΕΙΣ ΤΗΝ ΟΛΙΑ
 ΚΑΙ ΕΠΑΡΑΣΤΑΧΕΙΡΑΣ ΑΥΤΟΥ
 ΕΥΛΟΓΗΣΕΝ ΑΥΤΟΥΣ

ΚΑΙ ΓΕΝΕΤΟ ΕΝ ΤΩ ΕΥΛΟΓΕΙ
 ΑΥΤΟΝ ΑΥΤΟΥΣ ΔΙΕΣΤΗ ΧΗΡΗ
 ΤΩ ΚΑΙ ΑΝΕΦΕΡΕΤΟ ΕΙΣ ΤΟΝ
 ΟΥΝΟΝ ΚΑΙ ΑΥΤΟ ΠΡΟΣΚΥΝΗ
 ΣΑΝΤΕΣ ΑΥΤΟΝ ΥΠΕΣΤΕΤΕ
 ΕΙΣΙΝ ΗΜΕΤΑΧΑΡΑΣ ΜΕΓΑΛΗ
 ΚΑΙ ΗΣΑΝ ΑΓΓΑΝΤΟ ΕΝ ΤΩ
 ΤΕΟ ΚΑΙ ΕΥΛΟΓΟΥΝΤΕΣ ΤΟΝ
 ΟΝΑΜΗΝ <



ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ

وبتكبير العدد



С F H K L W X Δ Θ Π Ψ

ومجموعات المخطوطات

f1 f13

063 28 33 157 180 205 565 579 597 700 892 1006 1009 1010 1071

1079 1195 1216 1230 1241 1242 1243 1253 1292 1342 1344 1365 1424

1505 1546 1646 2148 2174

والمخطوطات اللاتينية القديمة

it^{aur} it^c it^f it^q it^{r1}

وايضا الفلجات اللاتيني من القرن الرابع

vg

(Vulgate) et factum est dum benediceret illis recessit ab eis et

ferebatur in caelum

وترجمته

24	51	And it came to pass, whilst he	et factum est dum
----	----	--------------------------------	-------------------

	blessed them, he departed from them and was carried up to heaven.	benediceret illis recessit ab eis et ferebatur in caelum
--	--	---

والترجمات السينائية

syr^p syr^h syr^{pal}

ومنهم البشيتا التي تعود للقرن الرابع وصورتها

[illegible]

ونصها

Luke 24:51 Aramaic NT: Peshitta

ܠܡܥܢ ܕܥܠܡ ܕܡܬܬܬܝܠܝܢ ܕܡܬܬܬܝܠܝܢ ܕܡܬܬܬܝܠܝܢ ܕܡܬܬܬܝܠܝܢ

24:51 And it was that while he blessed them, he was separated from them, and he ascended to the heavens.

وايضا القبطي

cop^{sa} cop^{bo}

ونص القبطي الصعيدى

51. ΑΣΨΩΠΕ ΔΕ ΪΜ ΠΤΡΕΥΣΜΟΥ ΕΡΟΟΥ ΑΥΟΥΕ ΜΜΟΥ ΑΥΩ ΑΥΒΩΚ ΕΞΡΑΙ ΕΤΠΕ.

والترجمات القديمة ايضا مثل

Arm

Eth الاثيوبية

geo² الجوارجنيه

السلافييه Slav

ودليل مهم جدا وهو وجود العدد في نسخة الدياتسرون من 160 ميلاديه

Diatessaron

وايضا القراءات الكنسيه مثل

I¹⁶²⁷

الرد علي المخطوطات التي لا تحتوي علي العدد

اولا السينائية

وصورة السينائية كامله للمخطوطه دي



ΚΑΙ ΕΦΕΡΕΤΟ ΕΙΣ ΤΟ ΜΟΥΝΟΝ

ΛΩΤΗΝ ΕΠΑΓΓΕΛΙ
 ΑΝΤΟΥ ΠΑΤΡΟΣ ΜΟΥ
 ΕΦΥΜΑΣΘΕ ΜΕΙΣ
 ΔΕ ΚΑΘΙΣΚΕΤΕ ΕΝ ΠΙ
 ΠΟΛΕΙ ΕΩΣ ΟΥ ΕΝ
 ΔΥΣΗ ΘΕΕΣ ΥΨΟΙ
 ΔΥΝΑΜΙΝ
 ΕΞΗΓΑΓΕΝ ΔΕ ΑΥΤΗ
 ΕΩΣ ΠΡΟΣ ΒΗΘΛ
 ΗΝΙΑΝ ΚΑΙ ΕΠΑΡΑΣ
 ΤΑΣ ΧΙΡΑΣ ΑΥΤΟΥ Η
 ΥΛΟΓΗΣΕΝ ΑΥΤΟΥ
 ΚΑΙ ΕΓΕΝΕΤΟ ΕΝ
 ΤΩ ΕΥΛΟΓΙΝΑΥΤ
 ΑΥΤΟΥΣ ΔΙΕΣΤΗ
 ΑΓΙΑΥΤΩΝ ΚΑΙ ΑΥ

ونجد بها العدد كامل ولو كان اثناء النسخ نسي في البداية كتابة واصعد الي السماء

لكن اثناء مراجعتها اكتسفت مباشره واضيفت في المخطوطه

وبهذا يكون السينائية دليل علي اصلته

بيزا D

ΤΡΙΑ: ΕΤΙ ΑΣ ΑΠΙΣΤΟΥΝΤΩΝ ΑΥΤΟΥΝΤΩΝ
ΑΠΟ ΤΗΣ ΧΑΡΑΣ ΚΑΙ Ο ΑΥΤΩΝ ΟΝΤΩΝ
ΕΠΙ ΤΗΝ ΕΧΕΤΕ ΤΙΣ ΤΩΝ ΟΝΤΩΝ ΑΛΕΞΑΝΔΡΟΥ
ΚΑΙ ΕΠΙ ΑΛΕΞΑΝΔΡΟΥ ΤΩΝ ΟΝΤΩΝ
ΜΕΡΟΣ ΚΑΙ ΑΛΕΞΑΝΔΡΟΥ ΤΩΝ ΟΝΤΩΝ
ΑΥΤΩΝ ΕΦΑΓΕΝ ΧΑΙΡΗΝ ΑΥΤΟΙΣ ΤΩΝ ΑΛΕΞΑΝΔΡΟΥ
ΟΥΤΟΙΣ ΛΟΓΟΙΣ ΜΟΥ ΟΥΣ ΕΑΛΛΗΝΕΣ ΑΥΤΟΙΣ
ΠΡΟΣ ΥΜΑΣ ΕΝΕΜΗΜΗΝ ΕΥΝΥΜΕΙΝ
ΟΓΛΕΙΝ ΑΝΤΙΘΗΝΑΙ ΠΑΝΤΑ ΤΑ ΕΓΓΥΣ ΑΜΜΕΝΑ
ΕΝ ΤΩ ΝΟΜΩ ΜΟΥ ΕΣΩΣΕ ΚΑΙ ΠΡΟΦΗΤΑΙΣ
ΚΑΙ ΨΑΛΜΟΙΣ ΠΕΡΙΕΜΟΥΣ ΤΟΤΕ ΛΗΝΟΥΣ ΕΝ
ΑΥΤΩΝ ΤΟΝ ΝΟΥΝ ΤΟΥ ΟΥΝ ΤΙΣ ΑΙΤΑΣ ΓΡΑΦΑΣ
ΚΑΙ ΕΠΕΝ ΑΥΤΟΙΣ ΟΤΙ ΟΥΚ ΕΓΓΥΣ ΑΙΤΑΣ ΤΟΝ
ΧΡΗΝ ΠΑΘΕΙΝ ΚΑΙ ΑΝΑΣΤΗΝΑΙ ΤΗ ΓΡΗΝ ΗΜΕΣ
ΚΑΙ ΚΗΡΥΧΘΗΝΑΙ ΕΝ ΤΩ ΟΝΟΜΑΤΙ ΑΥΤΟΥ
ΜΕΤΑΝΟΙΑΝ ΚΑΙ ΑΦΕΣΙΝ ΑΜΑΡΤΙΑΝ
ΕΝ ΤΩ ΠΑΝΤΑ ΤΑ ΕΓΓΥΣ ΑΜΜΕΝΑ
ΑΠΟ ΤΕΡΟΥΣ ΑΛΗΜ ΚΑΙ ΥΜΕΙΣ ΕΣ
ΜΑΡΤΥΡΕΣ ΤΟΥΤΩΝ ΚΑΙ ΕΓΩ ΑΠΟ ΤΕΛΕΣ
ΤΗΝ ΕΠΙ ΤΕΛΕΙΑΝ ΜΟΥ ΕΣΤΙΝ ΜΑΡΤΥΡΕΣ
ΥΜΕΙΣ ΕΣ ΚΑΙ ΟΙΣ ΕΣΤΙΝ ΤΗΝ ΟΛΕΙΣ ΕΣΤΙΝ ΟΥ
ΕΝ ΑΥΤΗΣ ΕΣ ΑΥΝΑΜΙΝ ΕΣΤΙΝ ΟΥΣ
ΕΣΤΙΝ ΕΓΕΝΕΣ ΑΥΤΟΥΣ ΕΣΤΙΝ ΠΡΟΣ
ΒΗΘΑΝΙΑΝ ΕΠΙ ΑΣ ΕΣΤΙΝ ΑΣΧΕΡΑΣ
ΗΥΛΟΓΗΣΕΝ ΑΥΤΟΥΣ ΚΑΙ ΕΓΕΝΕΣ
ΕΝ ΤΩ ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΑΥΤΟΥΝ ΑΥΤΟΥΣ
ΑΠΕΣΤΗΝΑΙ ΑΥΤΟΥΝ ΚΑΙ ΑΥΤΟΥΣ ΕΣΤΙΝ ΕΣΤΙΝ
ΕΙΣ ΤΕΡΟΥΣ ΑΛΗΜ ΜΕΤΑΧΑΡΑ ΜΕΤΑ ΑΛΗΜ
ΚΑΙ ΗΣΑΝ ΑΙ ΑΙΤΙΑΝ ΤΟΥΣ ΕΣΤΙΝ ΤΩΝ
ΑΙΝΟΥΝ ΕΣΤΙΝ ΟΝΤΩΝ
ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΚΑΤ' ΑΝΘΡΩΠΟΥ
ΕΠΙ ΑΝΘΡΩΠΟΥ ΑΡΧΕΤΑΙ ΚΑΤ' ΑΝΘΡΩΠΟΥ



وهذه الصفحة من المخطوطه تحتوي علي عدة اشكاليات مثل المسح المتكرر والكتابه علي نسخه قديمه
فصعب ان تكون مرجعيه نعتمد عليها في هذه الاعداد

بالنسبه لبعض نسخ اللاتينيه القديمه فقد اوضحت انه موجود في الكثير ايضا من اللاتينيه القديمه

اقوال الاباء

تيتان

القرن الثاني الميلادي

³⁸⁶⁵₃₈₆₅ **Luke xxiv. 51; c.**  And while he blessed them, he was separated from
them, and ascended into heaven

Volume 9

القديس اغسطينوس

And He led them out as far as to Bethany; and He lifted up His hands, and
blessed them; and it came to pass, that while He blessed them, He was parted
from them, and carried up into heaven.”¹⁵⁷⁴₁₅₇₄ **Luke xxiv. 50, 51.** 

Volume 6

القديس جيروم

I will look upon the glistening cross of Mount Olivet from which the Saviour
made His ascension to the Father.”²⁸³²₂₈₃₂ **Luke xxiv. 50, 51; Acts i. 9–12.** 

Volume 6

وايضاً القديس جيروم كتبه كامل في نسخته

القديس اغريغوريوس النزينزي

XXV. And if He ascend up into Heaven, ⁴⁶⁷⁶4676 **Luke xxiv. 51.** 

Volume 7

وغيرهم كثيرين

اقوال الدارسين

ريتشارد ويلسون

COMMENTS: The Sinaitic Syriac reading seems to be a condensation of the two phrases rather than an omission of the second. The omission of "and was carried up into heaven" in manuscript S* can be explained by a mistake of the eye, when the copyist's eye jumped from "and" to "and." It is also possible to explain the omission from manuscript D and the Latin manuscripts as a mistake of the eye when copyists' eyes jumped from "them" to "him" in verse 52 (there is only one letter difference between these words in Greek). At any rate, the fact that the words are found in most early manuscripts of several types of ancient text **indicates that they are original.**

وترجمته

السينائية السريانية قراءتها تبدو اختصار من جمل مختلفة وليس حذف من العدد الثاني . حذف كلمة واصعد الي السماء في السينائية ممكن ان يفسر علي انه خطأ عين حينما نقل الناسخ عينه قفزت من كلمة (كاي) و الي و التاليه وايضا من السهل حدوث حذف في مخطوطة بيزا واليونانية بسبب خطأ عين الناسخ عندما قفز عين الناسخ من كلمة هم الي له في عدد 52 لان الفرق بين الكلمتين في اليوناني بسيط جدا . الواقع انه وجود العدد في غالبية اقدم مخطوطات من انواع مختلفة يؤكد اصلته

واكد هذا الكلام ايضا كل من روجر اومانسون وايضا فليب كامفورت

واكداه ايضا بروس مترجر الذي اقتطع المشكك بعض كلامه ليكتب شبهته

نص كلامه كاملا

A Textual Commentary On The Greek New Testament

by

BRUCE M. METZGER

[24.51](#) kai. avnefe,reto eivj to.n ouvrano,n {B}

Here a* and geo¹ join D and it^{a, b, d, e, ff2, j, l} in supporting the shorter text.
(The Sinaitic Syriac condenses ver. [51](#) by omitting die,sth and eivj to.n ouvrano,n, reading “And while he blessed them, he was lifted up from

them”; thus, though shortened, syr^s still alludes to the ascension.) A minority of the Committee preferred the shorter reading, regarding the longer as a Western non-interpolation (see the [Note following 24.53](#)).

The majority of the Committee, however, favored the longer reading for the following reasons. (1) The rhythm of the sentence seems to require the presence of such a clause (compare the two coordinate clauses joined with kai, in ver. [50](#) and in verses [52-53](#)). (2) Luke’s opening statement in Acts (“In the first book, O Theophilus, I have dealt with all that Jesus began to do and teach, until the day when he was taken up @avnelh,mfqh#”) implies that he considered that he had made some reference, however brief, to the ascension at the close of his first book. (3) If the shorter text were original, it is difficult to account for the presence of kai. avnefe,reto eivj to.n ouvrano,n in so many and such diversified witnesses, beginning with î⁷⁵ about A.D. 200. (4) If the clause were a copyist’s addition, prompted by his noticing the implications of [Ac 1.1-2](#) (see point (2) above), one would have expected him to adopt some form of the verb

avnalamba,nein, used in [Ac 1.2](#) and other passages referring to the ascension, rather than the less appropriate avnafe,rein, which in the New Testament ordinarily has the specialized meaning “to offer up.” Finally, (5) the omission of the clause in a few witnesses can be accounted for either (a) through

accidental scribal oversight occasioned by homoeoarcton (kaia ... kaia ...) or (b) by deliberate excision, either (i) in order to relieve the apparent contradiction between this account (which seemingly places the ascension late Easter night) and the account in [Ac 1.3-11](#) (which dates the ascension forty days after Easter), or (ii) in order to introduce a subtle theological differentiation between the Gospel and the Acts (i.e., the Western redactor, not approving of Luke's mentioning the ascension twice, first to conclude the earthly ministry of Jesus, and again, in Acts, to inaugurate the church age, preferred to push all doxological representations of Jesus to a time after the ascension in Acts, and therefore deleted the clause in question as well as the words *proskunh,santej auvto,n* from ver. [52](#) – for when the account of the ascension has been eliminated, the mention of Jesus being worshipped seems less appropriate).²⁰

المخطوطات السينائية والجوارجينية 1 وبيزا والاي تي يؤيدون القراءه القصيره (السينائية السريانيه
اختصرت العدد 51 الي اثناء هو يباركهم اصعد عنهم ولكن هذه القراءه القصيره في السينائية السريانيه
تؤكد الصعود) مجموعه قليله من الجمعيه فضلت القراءه القصيره علي القراءه الطويله كانها غربي غير
متغير

الغالبية العظمي من الجمعيه فضلت القراءه الطويله للأسباب التاليه

1 رتم سياق الكلام يظهر انه يحتاج هذه الجملة (قارن العدد 50 مع 52- 53

2 بداية لوقا في اعمال الرسل (1: 1 الكلام الاول انشاته يا ثاوفيلس عن جميع ما ابتدا يسوع يفعله و يعلم
به 1: 2 الى اليوم الذي ارتفع فيه) يوضح انه اعتبر يشير قصيره الي ما كتبه نهاية كتابه الاول

3 لو كانت القراءه القصيره هي الاصلية يكون من الصعب توضيح الشهود المختلفين للعدد الطويل بدايه
من المخطوطه 75 من 200 ميلاديه

4 ولو كان هذه الجملة من اضافة نساخ من اعمال الرسل 1: 2-1 لكان استخدم نفس الافعال التي استخدمت في اعمال 1: 2 الذي هو متفرد في العهد الجديد (اصعد)

5 اخيرا الحذف لهذه الجملة في شواهد قليلة لا يعتمد عليهم مثل السينائييه الواضح انه خطأ نظر من كاي الي كاي (و الي و)

او بحذف متعدد بسبب أ- لازالة الخلاف الذي قد يظهر بين هذا العدد واعمال 1: 3-11 الذي هو الصعود اربعين يوم بعد القيامه او ب- لتقديم فكره عقيديه وهو اختلاف الانجيل والاعمال (محررين غربيين لا يقبلون ان لوقا اشار الي الصعود مرتين)

واضيف جزء صغير جدا في التحليل الداخلي انه تسلسل الكلام لو انه كان العدد 51 و 52 محذوف لوجدنا اشكاليه في فهم الاعداد وهي

24: 50 و اخرجهم خارجا الى بيت عنيا و رفع يديه و باركهم

24: 51 و فيما هو يباركهم انفرد عنهم و اصعد الى السماء

24: 52 فسجدوا له و رجعوا الى اورشليم بفرح عظيم

24: 53 و كانوا كل حين في الهيكل يسبحون و يباركون الله امين

السيد المسيح باركهم ثم رجعوا الى اورشليم كيف يقبل هذا فهل تركوه حينما انفرد عنهم ؟

وسؤال اخر اين ذهب بانفراده عنهم ؟ سيظل سؤال معلق بدون اجابه مع القراءه القصيره

والمجد لله دائما